एसबीआई ने बदली बैंकिंग की तस्वीर : सीतारमण

डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन से ग्राहकों को बड़ा फायदा

1.5 करोड़ किसानों से लेकर 7 करोड़ बीमा लाभार्थी

नई दिल्ली,01 जुलाई.वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को कहा कि पिछले एक दशक में भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) द्वारा किया गया डिजिटल परिवर्तन उसके ग्राहकों के लिए बेहद फायदेमंद साबित हुआ है.

राष्ट्र को 70 साल की सेवा पूरी करने पर एसबीआई को बधाई देते हुए, उन्होंने उम्मीद जताई कि बैंक 2047 तक %विकसित भारत% की दिशा में भारत की यात्रा जारी रखते हुए नवाचार और सशक्तिकरण जारी रखेगा. सीतारमण ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 23,000 से अधिक शाखाओं, 78,000 ग्राहक सेवा बिंदुओं (सीएसपी) और 64,000 एटीएम के साथ, एसबीआई की पहुंच आज जबरदस्त है और यह वास्तव में हर भारतीय का बैंकर है. पिछले एक दशक में इसने जो डिजिटल परिवर्तन हासिल किया है, वह इसके ग्राहकों के लिए बेहद फायदेमंद रहा है. उन्होंने कहा कि एसबीआई 1.5 करोड़ किसानों, महिलाओं के नेतृत्व वाले 1.3 करोड़ स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी), पीएम स्वनिधि के तहत 32 लाख स्ट्रीट वेंडरों, 23 लाख एमएसएमई और विभिन्न योजनाओं के तहत लाखों कारीगरों का समर्थन करने में सहायक रहा है.

उन्होंने आगे कहा कि एसबीआई के पास 15 करोड़ से अधिक जन धन खाते, 14.65 करोड़ पीएम सुरक्षा बीमा योजना, 1.73 करोड़ अटल पेंशन योजना और 7 करोड़ पीएम जीवन ज्योति बीमा योजना के लाभार्थी हैं. अपनी 70वीं वर्षगांठ के अवसर पर, एसबीआई ने देश के नवीकरणीय ऊर्जा संक्रमण प्रयासों में मदद करने के लिए वित्तीय वर्ष 2027 तक 4 मिलियन घरों को सौर ऊर्जा से लैस करने की योजना की घोषणा की है.

एसबीआई के अध्यक्ष सी एस शेट्टी ने कहा, आज, हम एक अरब आकांक्षाओं को अधिक गति, सहानुभूति और जिम्मेदारी के साथ सेवा देने के लिए अपने लोगों, प्रौद्योगिकी और बुनियादी ढांचे में गहराई से निवेश कर रहे हैं. हमारा दृष्टिकोण केवल पैमाने में नेतृत्व करना नहीं है, बल्कि उद्देश्य के साथ नेतृत्व करना है, हर हितधारक के लिए दीर्घकालिक मूल्य को अनलॉक करना और अधिक न्यायसंगत और लचीले भविष्य की दिशा में भारत की यात्रा को शक्ति प्रदान करना है.

> भारत के प्रमुख सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक के रूप में, यह 52 करोड़ से अधिक लोगों के जीवन को छूता है, देश के सबसे बड़े बैंकिंग बुनियादी ढांचे का संचालन करता है, और घरेलू बचत से लेकर रणनीतिक बुनियादी ढांचे, स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र और वैश्विक प्रेषण तक सब कुछ संचालित करता है. ग्राहक उत्कृष्टता पर अपने निरंतर ध्यान के हिस्से के रूप में, एसबीआई डिजिटलीकरण, मानकीकरण और केंद्रीकरण के माध्यम से अपने व्यापार वित्त संचालन का आधुनिकीकरण कर रहा है. कोलकाता में एक नया केंद्र पूरे भारत में शाखाओं की सेवा करेगा, जिससे तेज और कुशल सेवा सुनिश्चित होगी.

रुपया 25 पैसे चढ़कर 85 .51 प्रति डॉलर पर

मुंबई,01 जुलाई.विदेशी बाजार में अमेरिकी मुद्रा की कमजोरी के बीच स्थानीय शेयर बाजारों में सकारात्मक रुख के कारण मंगलवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 25 पैसे बढ़कर 85.51 (अस्थायी) पर बंद हुआ.विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि अमेरिकी डॉलर फरवरी, 2022 के बाद से सबसे निचले स्तर पर कारोबार कर रहा है.

ऐसा इसलिए है क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के फेडरल रिजर्व की नीति पर बढ़ते प्रभाव ने केंद्रीय बैंक की स्वतंत्रता को लेकर आशंकाओं को फिर से जगा दिया है.इसके अलावा, कच्चे तेल की कीमतों में नरमी से भी रुपये को समर्थन मिला.अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.66 पर खुला.

जीएसटी संग्रह ने फिर रचा रिकॉर्ड

अप्रैल में रिकॉर्ड रुपए 2 .37 लाख करोड़ हुआ संग्रह

पूर्वोत्तर और केंद्रशासित क्षेत्रों में तेज वृद्धि

नई दिल्ली., 1 जुलाई. देश में वस्तु एवं सेवा कर (वस्तु एवं सेवा कर) संग्रह में निरंतर वृद्धि देखी जा रही है. जून माह में वस्तु एवं सेवा कर संग्रह पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 6.2 प्रतिशत बढ़कर 1.85 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया. पिछले साल जून में यह राशि लगभग 1.74 लाख करोड़ रुपये थी. हालांकि, यह मई के 2.01 लाख करोड़ रुपये और अप्रैल 2025 के रिकॉर्ड 2.37 लाख करोड़ रुपये के संग्रह से कम रहा.

वित्त मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, जून 2025 में केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर, राज्य वस्तु एवं सेवा कर, एकीकृत वस्तु एवं सेवा कर और उपकर में साल-दर-साल वृद्धि दर्ज की गई.

घरेलू वस्तु एवं सेवा कर संग्रह की स्थिति कुछ मिश्रित है. वैश्विक भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं और उपभोक्ता धारणा पर उनके प्रभाव के कारण समग्र वृद्धि धीमी दिख सकती है. फिर भी, नागालैंड, सिक्किम, त्रिपुरा, लक्षद्वीप और लद्दाख जैसे क्षेत्रों में मजबूत वृद्धि देखी गई है. कर विशेषज्ञ सौरभ अग्रवाल ने कहा, यह वृद्धि बढ़ी हुई उपभोक्ता गतिविधियों और इन क्षेत्रों में सरकार द्वारा बुनियादी ढांचे पर निरंतर खर्च को दर्शाती है, जो क्षेत्रीय विकास के लिए सकारात्मक संकेत है.

वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारत की वस्तु एवं सेवा कर प्रणाली ने 22.08 लाख करोड़ रुपये का रिकॉर्ड संग्रह हासिल किया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 9.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है. वित्त मंत्रालय के अनुसार, औसत मासिक वस्तु एवं सेवा कर संग्रह 1.84 लाख करोड़ रुपये रहा, जो 2017 में वस्तु एवं सेवा कर लागू होने के बाद सबसे अधिक है. वस्तु एवं सेवा कर संग्रह पिछले कुछ वर्षों में लगातार बढ़ा है, जो 2020-21 में 11.37 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 2023-24 में 20.18 लाख करोड़ रुपये हो गया है. यह मजबूत आर्थिक गतिविधि और बेहतर अनुपालन को दर्शाता है. 30 अप्रैल, 2025 तक, 1.51 करोड़ से अधिक सक्रिय वस्तु एवं सेवा कर पंजीकरण हैं, जो कर प्रणाली में बढ़ती भागीदारी को दिखाता है.

> वस्तु एवं सेवा कर संग्रह भारत की अर्थव्यवस्था के सकारात्मक रुझान को दर्शाता है, जो मजबूत घरेलू खपत और सक्रिय आयात गतिविधि को रेखांकित करता है. ये आंकड़े देश के राजकोषीय स्वास्थ्य और आर्थिक सुधार के प्रयासों के लिए शुभ संकेत हैं, जो वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच लचीलापन दर्शाते हैं. वस्तु एवं सेवा कर 1 जुलाई, 2017 से लागू किया गया था. राज्यों को वस्तु एवं सेवा कर अधिनियम, 2017 के तहत, इसके कार्यान्वयन से होने वाले राजस्व नुकसान के लिए पांच साल तक मुआवजे का आश्वासन दिया गया था.

ग्रामीण भारत की आय में जबरदस्त उछाल : रिपोर्ट

कृषि से सेवा क्षेत्र की ओर तेजी से बढ़ रहा रुझान

112 ग्रामीण जिलों में आय 2,000 से अधिक

नई दिल्ली,01 जुलाई. ग्रामीण भारत तीव्र आर्थिक प्रगति के मजबूत संकेत दे रहा है. एचडीएफसी सिक्योरिटीज की एक रिपोर्ट के अनुसार, 112 ग्रामीण जिलों में, जहां लगभग 291 मिलियन लोग रहते हैं, प्रति व्यक्ति औसत आय अब 2,000 अमेरिकी डॉलर को पार कर गई है.

रिपोर्ट में कहा गया है कि आय में इस वृद्धि से स्मार्टफोन, वाहन और ब्रांडेड सामान जैसे गैर-आवश्यक उत्पादों और सेवाओं की मांग बढ़ने की उम्मीद है. महाराष्ट्र, तमिलनाडु, केरल और आंध्र प्रदेश जैसे राज्य अपनी मजबूत अर्थव्यवस्थाओं और विकास योजनाओं के कारण इस ग्रामीण विकास गाथा का नेतृत्व कर रहे हैं. उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश को छोड़कर लगभग हर भारतीय राज्य में ग्रामीण प्रति व्यक्ति आय अब 2,000 अमेरिकी डॉलर से ऊपर है.

वित्तीय वर्ष 2025 में 29 ट्रिलियन रुपये मूल्य का ग्रामीण उद्योग क्षेत्र, तीन वर्षों में 7.1 प्रतिशत की दर से बढ़ा.

कोकिलाबेन अस्पताल में कैंसर इलाज को मिली नई रफ्तार

अत्याधुनिक रेडिक्सएक्ट सिस्टम से इलाज अब और अधिक सटीक, सुरक्षित और अनुकूलनीय

मुंबई,01 जुलाई कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल ने कैंसर के इलाज में एक बड़ी छलांग लगाई है. अस्पताल ने अपनी रेडिएशन थेरेपी क्षमताओं को आधुनिक रेडिक्सएक्ट ट्रीटमेंट डिलीवरी सिस्टम से अपग्रेड किया है.

Kokilaben Dhirubhai Ambani
hospital & medical research institute
Every Life Matters

यह अत्याधुनिक तकनीक अस्पताल की ऑन्कोलॉजी में लीडरशिप को और मजबूत करेगी, जिससे कैंसर के इलाज में उन्नत सटीकता, सुरक्षा और अनुकूलनशीलता आएगी और मरीजों के परिणामों में सुधार होगा. रेडिक्सएक्ट- सिस्टम रेडिएशन थेरेपी में एक महत्वपूर्ण प्रगति है. इसमें स्वस्थ ऊतकों को कम से कम नुकसान पहुंचाते हुए सटीक उपचार देने की क्षमता है. यह सिस्टम बिल्ट-इन स्कैनर से लैस है, जो पूरे उपचार के दौरान ट्यूमर की सही स्थिति सुनिश्चित करने के लिए रियल-टाइम इमेजिंग प्रदान करता है. यह बहुउपयोगी सिस्टम शरीर के अलग-अलग हिस्सों में विभिन्न प्रकार के कैंसर के उपचार में सक्षम है. यह रेडिएशन के उच्च खुराक को सुरक्षित तरीके से दे सकता है, जिससे उपचार की प्रभावकारिता बढ़ती है. इसकी सिंक्रोनी टेक्नोलॉजी शारीरिक हरकतों के अनुकूल रहती है, यहां तक कि सांस लेते हुए भी सटीकता बनाए रखती है, जिससे मरीजों को अधिक सुरक्षित और सक्षम उपचार अनुभव मिलता है. कोकिलाबेन अस्पताल में रेडिक्सएक्ट0 के साथ, भारत की सबसे बड़ी प्रेसिजन ऑन्कोलॉजी टेक्नोलॉजी का एकीकरण किया गया है. यहां 300 से अधिक उच्च अनुभवी और विश्व स्तर पर प्रसिद्ध मल्टीडिसिप्लिनरी कैंसर स्पेशलिस्ट्स की टीम तैनात है.

> कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल एंड मेडिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर और सीईओ, डॉ. संतोष शेट्टी ने कहा, हम मेडिकल इनोवेशन की सीमाओं को लगातार आगे बढ़ाते रहते हैं. रेडिक्सएक्ट- सिस्टम को लाकर, हमने विश्व स्तर की कैंसर देखभाल प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता में बहुत बड़ा कदम उठाया है.

ऑटो उद्योग में जून में धीमी रफ्तार : रिपोर्ट

दोपहिया और ट्रैक्टर सेगमेंट में हल्की वृद्धि

यात्री और वाणिज्यिक वाहन बिक्री में गिरावट

नई दिल्ली,01 जुलाई.देश का ऑटोमोबाइल उद्योग जून 2025 के लिए विभिन्न सेगमेंट में मिश्रित प्रदर्शन दर्ज करने की उम्मीद है. यस सिक्योरिटीज की एक रिपोर्ट के अनुसार, दोपहिया और ट्रैक्टर सेगमेंट में स्थिर से मध्य-एकल अंक की वृद्धि का अनुमान है, जबकि वाणिज्यिक वाहनों (सीवी) और यात्री वाहनों (पीवी) में स्थिर से मध्य-उच्च एकल अंक की गिरावट की संभावना है.

रिपोर्ट में कमजोर खुदरा रुझानों के लिए कई प्रमुख कारणों का उल्लेख किया गया है, जिनमें कमजोर रूपांतरण दरें, नए लॉन्च की कमी, अपग्रेड के लिए वित्तपोषण चुनौतियां और इस्तेमाल की गई कारों के बाजार में बेहतर विकल्प शामिल हैं.

> दोपहिया सेगमेंट में, रिपोर्ट में कहा गया है कि खुदरा बिक्री स्थिर से मध्य-एकल अंकों में बढ़ने की उम्मीद है, जिसे पश्चिमी और उत्तरी क्षेत्रों से स्वस्थ मात्रा का समर्थन मिलेगा. हालांकि, दुर्लभ पृथ्वी सामग्री की आपूर्ति इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों को प्रभावित करना शुरू कर चुकी है, जिसमें कमी के स्पष्ट संकेत दिख रहे हैं. उल्लेखनीय है कि टीवीएस त्योहारी सीजन से पहले लगभग तीन नए उत्पाद लॉन्च करने की उम्मीद है.

ऑडी इंडिया की बिक्री में 14 प्रतिशत गिरावट

नयी दिल्ली, 01 जुलाई. लक्जरी कार विनिर्माता कंपनी ऑडी की पहली छमाही की खुदरा बिक्री सालाना आधार पर 14 प्रतिशत घटकर 2,128 इकाई रह गई.कंपनी ने पिछले वर्ष पहली जनवरी-जून की छमाही में 2,477 इकाइयां बेची थीं.

ऑडी इंडिया के प्रमुख बलबीर सिंह ढिल्लों ने कहा,2025 की पहली छमाही में बाजार में कई चुनौतियां सामने आईं, लेकिन हमने इस अवधि का उपयोग सतत विकास के वास्ते अपनी नींव को मजबूत करने के लिए किया है.

अब मखाना की पहचान होगी वैश्विक

मिथिलांचल के मखाना को मिला अंतरराष्ट्रीय एचएस कोड

पटना, 01 जुलाई (वार्ता) बिहार के सुपरफूड मखाना को अंतर्राष्ट्रीय स्तर का खास हर्मोनाइज्ड सिस्टम कोड मिल जाने से अब इसे वैश्विक स्तर पर विशेष पहचान मिलेगी. बिहार के मिथिलांचल क्षेत्र में खेती होने वाले मखाना को अंतरराष्ट्रीय स्तर का खास एचएस कोड प्रदान किया गया है.

इससे इस खास किस्म के जल फल को नई पहचान मिली है. इसे एक ऐतिहासिक उपलब्धि मानी जा रही है. वर्षों के सतत प्रयासों के बाद मखाना उत्पादकों, प्रोसेसर्स और उद्यमियों को अब उनका हक मिला है. मिथिलांचल खासकर दरभंगा, मधुबनी, सहरसा, सुपौल, पूर्णिया, कटिहार समेत अन्य जिलों की खास पहचान यह मखाना है. इस कोड के मिलने से यह अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी अपने अलग नाम और हक से जाना जाएगा.

इस कोड के मिलने से मखाना को वैश्विक बाजार में अपनी विशिष्ट पहचान मिलेगी, जिससे इसके व्यापार में पारदर्शिता और सहूलियत बढ़ेगी. मखाना को तीन विशिष्ट श्रेणी में बांटकर इसके लिए एचएस कोड निर्धारित किए गए हैं. इसमें पॉप्ड मखाना के लिए 20081921, मखाना पॉउडर ,आटा के लिए 20081922 और अन्य तरह के मखाना उत्पादों के लिए 20081929 कोड शामिल है.

समाचार विशेष

आर या पार : तेज प्रताप बनेंगे किंगमेकर?

पटना. बिहार में अगले कुछ महीनों में विधानसभा चुनाव से ठीक पहले आरजेडी ने तेज प्रताप यादव को पार्टी से निकाल दिया है. लालू यादव परिवार से भी उनको बेदखल कर दिया गया है. पार्टी और परिवार ने रिलेशनशिप विवाद के बाद ये एक्शन लिया है. ऐसे में अब सवाल उठ रहा है कि तेज प्रताप यादव अलग से अपनी पार्टी बनाएंगे या फिर आरजेडी के टिकट पर ही आगे चुनाव लड़ेंगे.

तेज प्रताप ने एक मीडिया चैनल से बातचीत में बताय कि वो चुनाव लड़ेंगे. हालांकि, अभी ये तय नहीं है कि कहां से चुनावी मैदान में उतरेंगे. तेज प्रताप यादव फिलहाल समस्तीपुर जिले की हसनपुर सीट से विधायक हैं. उन्होंने अलग पार्टी बनाने के सवाल पर साफ कहा कि जब पहले से पार्टी है तो अलग पार्टी क्यों बनाना है. ऐसी कोई बात नहीं है. लोग केवल भ्रम फैला रहे हैं. किंगमेकर बनने के सवाल पर तेज प्रताप यादव ने कहा कि हम तो हजार बार कहते आए हैं कि हम किंगमेकर बनेंगे. उन्होंने आगे कहा कि हम कहां इस बात से पलट रहे हैं. जिस तरीके से पिताजी किंगमेकर की भूमिका में हैं, वैसे ही हम भी किंगमेकर की भूमिका में रहेंगे. उन्होंने कहा कि हम अपनी बात से कभी पीछे हटे हैं? अगर तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री बनाएंगे तो क्या आप सरकार का हिस्सा होंगे? इस पर तेज प्रताप यादव ने कहा, यह बाद की बात है. पहले सरकार बन जाने दीजिए.

थोड़ी सी मेहनत करनी होगी- इस बार चुनाव में क्या होगा? पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि बिहार में कुछ तो होगा. तेजस्वी ने यात्राएं कीं और क्षेत्र में घूम रहे हैं. क्या होगा, यह तो पब्लिक ही बताएगी. तेज प्रताप ने कहा कि लड़ाई के लिए अभी थोड़ी सी मेहनत करनी होगी. क्योंकि दुश्मन एड़ी चोटी का जोर लगा रहा है और ग्राउंड लेवल तक फैला हुआ है.

इस बार आर या पार

इस बार चुनाव टफ है? सवाल पूछे जाने पर तेज प्रताप याजव ने कहा कि बिल्कुल टफ है. कुछ भी हो सकता है. आर या पारज्आर या पार कुछ भी हो सकता है. हम यह नहीं कह रहे कि एनडीए रिपीट करेगा. इंडिया भी कर सकता है, लेकिन लड़ाई आर या पार की होगी.

पत्नी के बयान से मचा बवाल, अखिलेश ने बताए 3 ऑप्शन

सपा ने तोड़ीं आजम की उम्मीदें!

लखनऊ. सपा सरकार के दौरान यूपी में आजम खान का खासा दबदबा था. लेकिन सरकार बदलने के बाद से आजम खान का परिवार मुश्किल दौर से गुजर रहा है. सूबे की योगी सरकार में उनके ऊपर एक के बाद एक कई मामले दर्ज हुए. जिसके बाद से वह जेल में बंद हैं.

इस बीच आजम खान की पत्नी तंजीन फातिमा ने बड़ा बयान दिया है. जिसने सपा प्रमुख अखिलेश यादव को बैकफुट पर ला दिया है. आजम से जेल में मुलाकात कर बाहर आईं तंजीन ने कहा कि उन्हें समाजवादी पार्टी से कोई उम्मीद नहीं है. उनके इस बयान के बाद यूपी में सियासी भूचाल आ गया है.

तंजीन के बयान पर क्या बोले अखिलेश?- आजम के समर्थक आरोप लगा रहे हैं कि समाजवादी पार्टी ने उनसे मुंह मोड़ लिया है. कांग्रेस के इमरान मसूद ने आपदा में अवसर तलाश लिया है. उन्होंने कहा कि अगर अखिलेश यादव चाहते तो आजम खान को इतना कुछ नहीं सहना पड़ता. वहीं तंजीन के बयान पर अखिलेश यादव की प्रतिक्रिया भी सामने आई है. तंजीन फातिमा के बयान पर अखिलेश यादव ने कहा कि उनके पास तीन ही विकल्प हैं. हम क्या कर सकते हैं. यूपी की बीजेपी सरकार उनके साथ अन्याय कर रही है. उनके खिलाफ मुकदमे दर्ज किए जा रहे हैं, इसलिए आजम खान को राहत तभी मिल सकती है जब सरकार बदले, इसलिए आप सब मिलकर सरकार बदलें. अखिलेश यादव ने कहा कि दूसरा विकल्प कोर्ट है. कोर्ट से उन्हें न्याय मिल सकता है. तीसरा विकल्प ईश्वर यानी ऊपर वाला है.

> **आम लेकर आजम से मिलीं तंजनी फातिमा**
>
> कुछ समय पहले तक तंजीन फातिमा भी जेल में थीं. उन्होंने सीतापुर जाकर जेल में बंद अपने पति आजम खान से मुलाकात की. राज्यसभा सांसद रहीं तंजीन ने जेल से बाहर आते ही समाजवादी पार्टी पर बम गिरा दिया. उन्होंने कहा कि मुझे किसी से कोई उम्मीद नहीं है. मुझे सिर्फ अल्लाह से उम्मीद है. तंजीन ने अपने पति आजम की पसंद के आम भी लिए.

कार्ति ने नई पार्टी की जरुरत बताई

नई दिल्ली. कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम के बेटे और तमिलनाडु की शिवगंगा सीट के सांसद कार्ति चिदंबरम ने कहा है कि देश में एक नई पार्टी की जरुरत है.

उन्होंने तमाम पारंपरिक पार्टियों से अलग हट कर एक ऐसी पार्टी की जरुरत बताई है, जो देश के शहरी विकास का ध्यान रखने वाली पार्टी है. यानी उसका सारा फोकस शहरों के बुनियादी ढांचे का सुधार करने पर हो और तेजी से हो रहे शहरीकरण की जरुरतों को पूरा करने पर हो. वे चाहते हैं कि यह पार्टी तमाम किस्म के भावनात्मक मुद्दों से अलग रहे.

कार्ति चिदंबरम ने इस नई पार्टी का आइडिया सुझाते हुए कहा है कि यह पार्टी जाति, धर्म, भाषा जैसे मुद्दों पर बात नहीं करेगी या उस पर ध्यान नहीं देगी. इसकी बजाय पार्टी शहरी मुद्दों, लोगों के आरामदेह जीवन, बुनियादी ढांचे के विकास, नागरिक सेवाओं आदि पर ध्यान दे. उन्होंने इसके लिए 'नगर' नाम सुझाया है. 'एनएजीएआर' का मतलब उन्होंने बताया है 'नेशनल अलायंस फॉर गवर्नेंस एंड रिन्यूअल'. उनके इस बयान पर कांग्रेस ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है.

विशेष | **तेजस्वी यादव की बढ़ जाएगी टेंशन**

चुनाव से पहले नीतीश ने खेल दिया बड़ा दांव

पटना. बिहार में इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पूरी तरह के एक्शन मोड में आ गए हैं. चुनाव से पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एक ऐसा बड़ा दांव खेल दिया है, जिससे तेजस्वी यादव की टेंशन बढ़ जाएगी. सीएम ने खुद इसकी जानकारी एक्स पर दी है.

दरअसल, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने तेजस्वी यादव के विधानसभा क्षेत्र राघोपुर में विकास की ऐसी गंगा बहाई है कि सालों पुराने बड़े मुद्दे धीरे-धीरे गौण होते जा रहे हैं. जिन वर्षों पुरानी समस्याओं को मुद्दा बनाकर तेजस्वी यादव अबतक राघोपुर से अबतक आसानी से चुनाव जीत रहे थे. इस बार उनकी टेंशन बढ़ती नजर आ रही है. कुछ दिन पहले ही मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राघोपुर के सालों पुराने दंश को खत्म करने का काम किया.

राघोपुर की जनता सालों भर जान जोखिम में डालकर गंगा पार करती थी. तेजस्वी यादव के इस विधानसभा क्षेत्र में नाव लोगों की लाइफ लाइन मानी जाती थी. नदी में पानी बढ़ने के बाद राघोपुर दियारा के लोगों की परेशानी भी बढ़ जाती थी लेकिन चुनाव से पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इस क्षेत्र की जनता को 6 लेन पुल की सौगात दे दी, जो राघोपुर और बिदुपुर के बीच बना है. इस पुल के उद्घाटन से राघोपुर की जनता काफी खुश है. इसी बीच मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राघोपुर के विकास के लिए एक और बड़ी घोषणा कर बड़ा दांव खेल दिया है. मुख्यमंत्री ने ऐलान किया है कि राघोपुर के विकास के लिए सरकार ने एक कमेटी गठित की है जो इस इलाके का अध्ययन कर विकास की संभावनाओं की सभी पहलूओं पर कार्य योजना तैयार करेगी. मुख्यमंत्री ने कहा है कि न्याय के साथ विकास का जो वादा उन्होंने बिहार की जनता से किया है उसे हर हाल में पूरा किया जाएगा.

सीएम नीतीश कुमार ने एक्स पर लिखा कि, आप जानते हैं कि 23 जून को कच्ची दरगाह-बिदुपुर 6 लेन गंगा पुल परियोजना के पटना से राघोपुर की सम्पर्कता का लोकार्पण किया गया है. इस पुल के लोकार्पण होने से सुगम आवागमन के साथ-साथ राघोपुर दियारा इलाके में सामाजिक, आर्थिक और पर्यटकीय गतिविधियां सुदृढ़ होंगी. निवेश के नए रास्ते बनेंगे जिससे युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा होंगे. इससे राघोपुर दियारा तथा उसके पूर्वी एवं पश्चिमी इलाके में विकास की असीम संभावनाएं उत्पन्न हुई हैं.

> **क्षेत्र के विकास के लिए कमिटी गठित**
>
> मुख्यमंत्री ने आगे लिखा, इसे ध्यान में रखते हुए इस क्षेत्र के विकास के लिए राज्य सरकार द्वारा एक कमिटी गठित की गई है, जो क्षेत्र का स्थल अध्ययन कर सुनियोजित विकास की संभावनाओं के सभी पहलुओं का अध्ययन कर कार्य योजना तैयार करेगी. हमारा प्रयास है कि न्याय के साथ विकास का लाभ प्रदेश के हर क्षेत्र और तबके को बिना किसी भेदभाव के समान रूप से मिले क्योंकि जनता की सेवा ही हमारा धर्म है.